भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 604 का उत्तर

डेरा बाबा नानक रेल स्टेशन का पुनर्विकास

604. श्री सुखजिंदर सिंह रंधावा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार ऐतिहासिक डेरा बाबा नानक रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार को इस संबंध में किसी जन प्रतिनिधि से कोई सुझाव/प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): डेरा बाबा नानक स्टेशन पर टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म शेल्टर, बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी के नल, मूत्रालय, शौचालय, प्रतीक्षालय, बैठने की व्यवस्था और ऊपरी पैदल पार पुल की सुविधाएं उपलब्ध हैं। अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, दिव्यांगजन शौचालय और पेयजल बूथ के निर्माण कार्य शुरू कर दिए हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल में स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन के समय निचली श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

देश भर में रेल संबंधी परियोजनाओं/कार्यों के लिए राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केन्द्रीय मंत्रालयों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। ऐसे प्रस्तावों/शिकायतों/सुझावों/अभ्यावेदनों का प्राप्त होना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इनकी जाँच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य और उचित पाए जाने पर कार्रवाई की जाती है, ऐसे अनुरोधों का केंद्रीकृत सार संग्रह नहीं रखा जाता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका क्रियान्वयन करना शामिल है। मास्टर प्लानिंग में निम्नलिखित शामिल हैं:

- स्टेशन तक पहुँच और परिचलन क्षेत्रों में सुधार
- शहर के दोनों ओर स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार

- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था और पेयजल-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉन्कोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्रावधान और प्लेटफ़ॉर्म को ऊपर से कवर करना
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के जरिए स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एग्जीक्यूटीव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, इस योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 30 स्टेशन पंजाब राज्य में स्थित हैं। पंजाब राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित करने हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पंजाब	30	अबोहर, अमृतसर, आनंदपुर साहिब, ब्यास, बठिंडा जंक्शन, ढंडारी कलां, धुरी, फाजिल्का, फिरोजपुर कैंट, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर कैंट जंक्शन, जालंधर सिटी जंक्शन, कपूरथला, कोटकपुरा जंक्शन, लुधियाना जंक्शन, मालेरकोटला, मानसा, मोगा, मुक्तसर, नांगल डैम, पठानकोट कैंट, पठानकोट जंक्शन, पटियाला, फगवाड़ा जंक्शन, फिल्लौर जंक्शन, रूप नगर, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, संगरूर, सरहिंद

पंजाब राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं और उक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नलिखित है:

- गुरदासपुर स्टेशन: प्रवेश प्रांगण, स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्रवेश रैंप और पार्किंग क्षेत्र का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, प्लेटफ़ॉर्म की सतह निर्माण, परिचलन क्षेत्र और पहुँच सड़क का काम शुरू किया गया है।

- आनंदपुर साहिब स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय में सुधार, नया प्रतीक्षालय, कार्यकारी लाउंज, शौचालय, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, लिफ्ट और 12 मीटर का ऊपरी पैदल पार पुल का सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- साहिबजादा अजीत सिंह मोहाली स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफॉर्म सतह, शौचालय, कोच संकेत बोर्ड, ट्रेन संकेत बोर्ड, साइनबोर्ड और 12 मीटर ऊपरी पैदल पार पुल के सुधार के कार्य पूरे हो चुके हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- मुक्तसर स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, दूसरे नए प्रवेश बुकिंग कार्यालय, प्लेटफार्म शेल्टर, प्लेटफार्म सतह और 12 मीटर ऊपरी पैदल पार पुल के सुधार कार्य पूरे हो चुके हैं। फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

रेलवे स्टेशनों का उन्नयन/विकास/पुनर्विकास जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****